

पाठ
2

परीक्षा

संसाधन में कौन-कौन-सी बातें शामिल होती हैं?



आप अपने माता-पिता से
कौन-सी बातें छिपाते हैं?



माता-पिता से बात छिपाने पर
आपको कैसा लगता है?



वार्म अप

Points to Discuss

जब माता-पिता को पता चलता होगा कि आपने
उनसे कोई बात छिपाई थी तो वे क्या सोचते होंगे?



अध्यापन-संकेत

'वार्मअप' के माध्यम से शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को पाठ-पठन एवं अधिगम (Learning) हेतु तैयार करें। यहाँ दिए गए प्रश्न मात्र हैं। पाठ की तैयारी हेतु बच्चों से अन्य रुचिकर प्रश्न पूछकर विषय पर चर्चा करें और उनमें पाठ पढ़ने की उत्कंठा उत्पन्न करें।



पोटली प
About the

प्राचीन

तरह
प्राप्त करते थे।
उनकी ख्याति
थी। एक दिन
में उदास बैठे
उनसे उदासी
उन्होंने बताया,
गंभीर समस्या
मेरी पुत्री वि
में उसका वि
चाहता हूँ। वि
के लिए क
की आवश्यक
है, जो मेरे
है।"

गुरु जी
अपने माता-
गुरु जी
गुरु जी की
तभी गु
माँगकर नह
नहीं कहल
वह वस्तु
सभी
भी लाएँगे
दूसरे
लगे। गुरु

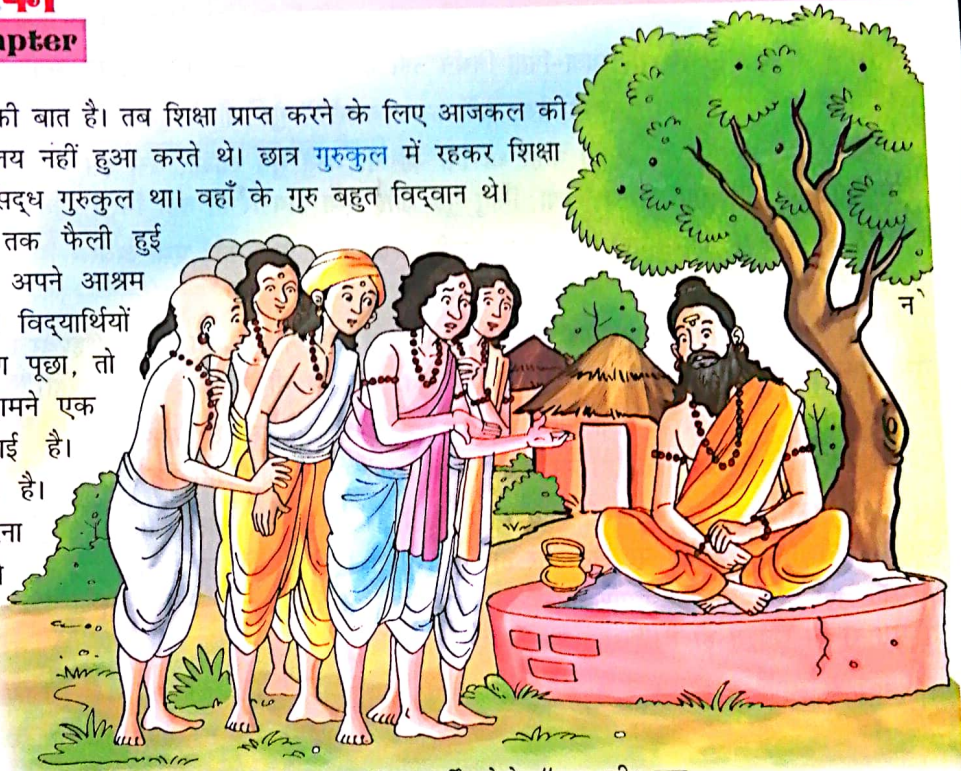


पोढ़ली पाठ की

About the Chapter

सदाचरण सबसे बड़ा धन होता है। सदाचारी व्यक्ति समाज में विशेष स्थान और सम्मान प्राप्त करता है। इस कहानी में सदाचार का पालन करनेवाले शिष्य ने गुरुदेव के मन में विशेष स्थान प्राप्त किया। कहानी पढ़कर जानिए।

प्राचीन समय की बात है। तब शिक्षा प्राप्त करने के लिए आजकल की तरह विद्यालय नहीं हुआ करते थे। छात्र गुरुकुल में रहकर शिक्षा प्राप्त करते थे। एक प्रसिद्ध गुरुकुल था। वहाँ के गुरु बहुत विद्वान थे। उनकी ख्याति दूर-दूर तक फैली हुई थी। एक दिन गुरु जी अपने आश्रम में उदास बैठे हुए थे। विद्यार्थियों उनसे उदासी का कारण पूछा, तो उन्होंने बताया, “मेरे सामने एक गंभीर समस्या आ गई है। मेरी पुत्री विवाह योग्य है। मैं उसका विवाह करना चाहता हूँ। विवाह करने के लिए काफ़ी धन की आवश्यकता होती है, जो मेरे पास नहीं है।”



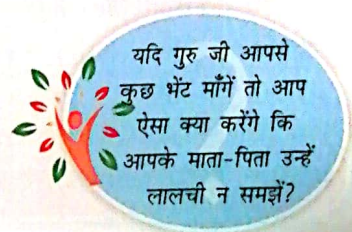
गुरु जी की समस्या सुनकर धनवान परिवारों के कुछ विद्यार्थी बोले, “गुरु जी! हम अपने माता-पिता से कुछ धन लाकर आपको देंगे। आप उसे गुरु-दक्षिणा के रूप में स्वीकार कर लीजिएगा।”

गुरु जी बोले, “नहीं, नहीं। मैं इस प्रकार धन नहीं ले सकता। तुम्हारे माता-पिता सोचेंगे कि मैं लालची हूँ। गुरु जी की बात सुनकर सभी विद्यार्थी पुनः सोच में पड़ गए।

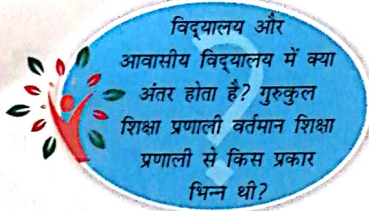
तभी गुरु जी बोले, “मेरी समस्या का एक समाधान है। मैं चाहता हूँ कि तुम धन तो लाओ, किंतु किसी से माँगकर नहीं। साथ ही धन को तुम इस प्रकार लाओ कि उसे लाते समय तुम्हें कोई देखे नहीं। इस प्रकार मैं लोभी नहीं कहलाऊँगा। तुम लोग इस बात का विशेष ध्यान रखना कि तुम जो भी वस्तु लाओ, उसे कोई देखे नहीं, वरना वह वस्तु विवाह के लिए अशुभ हो जाएगी।

सभी शिष्यों ने गुरु जी की बात मान ली। उन्होंने गुरु जी से कहा, “हम जो भी लाएँगे, इस प्रकार लाएँगे कि उसे कोई न देख सके।”

दूसरे दिन से सभी शिष्य गुरु जी के लिए भिन्न-भिन्न प्रकार की वस्तुएँ लाने लगे। गुरु जी उन्हें प्रसन्नता से स्वीकार करने लगे।



यदि गुरु जी आपसे कुछ भेंट माँगें तो आप ऐसा क्या करेंगे कि आपके माता-पिता उन्हें लालची न समझें?



कुछ दिनों बाद गुरु जी के पास अपनी पुत्री के विवाह के लिए पर्याप्त धन एवं वस्तुएँ एकत्रित हो गईं। सभी विद्यार्थियों ने गुरु जी के लिए कुछ-न-कुछ सामग्री लाकर दी थी, किंतु एक विद्यार्थी अब भी ऐसा था, जिसने गुरु जी को कुछ भी लाकर नहीं दिया था।

गुरु जी ने उसे अपने पास बुलाया और पूछा, “वत्स! तुमने मुझे अब तक कुछ भी लाकर नहीं दिया। क्या तुम्हारे माता-पिता बिलकुल निर्धन हैं?”

शिष्य बोला, “गुरुवर! मेरे माता-पिता निर्धन नहीं हैं, किंतु मैं कुछ भी नहीं ला सका।”

“क्यों? क्या तुम अपने गुरु की सेवा नहीं करना चाहते?” गुरु जी ने पूछा।

शिष्य बोला, “गुरु जी, आपने कहा था कि जो भी वस्तु तुम लाओ, उसे इस प्रकार लाना कि तुम्हें लाते हुए कोई देखे नहीं। मैंने बहुत प्रयास किया, किंतु मुझे कोई ऐसा अवसर ही नहीं मिला, जब कोई मुझे न देख रहा हो।”

गुरु जी ने कहा, “ऐसा नहीं हो सकता। कभी-न-कभी तो तुम्हें कोई ऐसा अवसर मिला ही होगा, जब तुम्हें कोई न देख रहा हो। तब तुम कुछ भी ला सकते थे।”

शिष्य बोला, “गुरुवर! आप ठीक कहते हैं। जहाँ मुझे कोई न देख रहा हो, वहाँ ईश्वर तो मुझे देखता ही है। फिर ऐसी वस्तु तो विवाह के लिए अशुभ हो जाती। अतः मैं कुछ भी लाने में असमर्थ रहा।”

गुरु जी ने उसे हृदय से लगा लिया और कहा, “तू ही मेरा सच्चा शिष्य है। तूने ही सच्ची शिक्षा ग्रहण की है। मेरे कहने पर भी तूने गलत कार्य नहीं किया।”

“मुझे किसी प्रकार के धन की आवश्यकता नहीं है। मैं सबकी परीक्षा ले रहा था। तुम परीक्षा की कसौटी पर खरे उतरे हो। मुझे अपनी पुत्री के विवाह के लिए धन की नहीं, एक योग्य एवं गुणवान युवक की तलाश थी। वह मुझे मिल गया है। मेरा सच्चा धन तू ही है।”



—पौराणिक कथा

बात सीख की Values

- ★ सदाचार
- ★ सच्चरित्रता

- ★ सच्चाई
- ★ ईमानदारी



शब्दार्थ (Word Meanings)

प्राचीन = पुराना (ancient); गुरुकुल = गुरु के पास रहकर शिक्षा प्राप्त करने का स्थान (seminary); ख्याति = प्रसिद्धि (fame); गुरु-दक्षिणा = शिक्षा प्रदान करने के बदले में गुरु को दी जानेवाली भेंट (a gift given to preceptor because of getting education by the disciple); समाधान = उपाय (solution); पर्याप्त = काफ़ी (sufficient); वत्स = बालक, शिशु, पुत्र (child); प्रयास = कोशिश (attempt); ग्रहण = प्राप्त (to get); कसौटी = परख, जाँच (test); गुणवान = अच्छे गुणोंवाला (virtuous)



बात पाठ की

मौखिक (Oral Expression)



1. प्राचीनकाल में छात्र कहाँ रहकर शिक्षा प्राप्त करते थे?
2. गुरु जी को पुत्री के विवाह के लिए किस चीज़ की आवश्यकता थी?
3. शिष्यों ने गुरु जी की कौन-सी बात मान ली थी?
4. कितने विद्यार्थियों ने गुरु जी को कुछ भी लाकर नहीं दिया?

लिखित (Written Expression)



● बहुविकल्पीय प्रश्न (Multiple Choice Questions)

सही उत्तर के सामने ✓ लगाइए—

1. गुरु जी ने शिष्यों को कौन-सी समस्या बताई?
(क) आश्रम का नव-निर्माण करने की ☐ (ख) पुत्री के विवाह की ☐
(ग) भोजन के लिए अनाज की ☐ (घ) शिष्यों के लिए अध्ययन सामग्री की ☐
2. शिष्य गुरु जी के लिए किस प्रकार धन लेकर आए?
(क) राजा से माँगकर ☐ (ख) भिक्षाटन द्वारा ☐
(ग) माता-पिता से छिपकर ☐ (घ) मजदूरी करके ☐
3. गुरु जी ने किस शिष्य को अपने पास बुलाया?
(क) जिसने गुरु जी को कुछ भी लाकर नहीं दिया था। ☐
(ख) जिसने गुरु जी को बहुत सारा धन और बहुमूल्य वस्तुएँ लाकर दी थीं। ☐
(ग) जिसने गुरु जी की सेवा करना बंद कर दिया था। ☐
(घ) जिसने गुरुकुल छोड़कर जाने का निश्चय कर लिया था। ☐
4. गुरु जी को कैसे युवक की तलाश थी?
(क) धनवान युवक की ☐ (ख) अध्ययनशील युवक की ☐
(ग) आज्ञाकारी युवक की ☐ (घ) योग्य एवं गुणवान युवक की ☐

● लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Type Questions)

1. गुरु जी की उदासी का कारण क्या था?
.....
2. गुरु जी ने अपनी समस्या का क्या समाधान बताया?
.....
3. शिष्यों ने गुरु जी की सहायता किस प्रकार की?
.....

● दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Questions)

1. शिष्यों ने गुरु जी से किस धन को गुरु दक्षिणा के रूप में स्वीकार करने का आग्रह किया?
2. गुरु जी ने किस प्रकार लाए हुए धन को विवाह के लिए अशुभ बताया?
3. गुरु जी धन की आवश्यकता बताकर शिष्यों की परीक्षा क्यों लेना चाहते थे?
4. एक शिष्य गुरु जी के लिए कुछ भी क्यों नहीं ला सका?
5. "गुरु जी ने उसे हृदय से लगा लिया।" गुरु जी ने किसे हृदय से लगाया और क्यों?
6. "मेरा सच्चा धन तू ही है।" गुरु जी के इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

● अर्थ-ग्रहण संबंधी प्रश्न (Questions Based on Comprehension)

"मैं सबकी परीक्षा ले रहा था। तुम परीक्षा की कसौटी पर खरे उतरे हो। मुझे अपनी पुत्री के विवाह के लिए धन की नहीं, एक योग्य एवं गुणवान युवक की तलाश थी। वह मुझे मिल गया है। मेरा सच्चा धन तू ही है।"

1. परीक्षा कौन ले रहा था?
2. गुरु जी को कैसे युवक की तलाश थी?
3. 'गुणवान' शब्द से मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए।

वात भाषा की

1. निम्नलिखित संयुक्त व्यंजन से तीन-तीन शब्द बनाइए-

- | | | | | | |
|-----|-----|---|-------|-------|-------|
| (क) | क्ष | - | | | |
| (ख) | त्र | - | | | |
| (ग) | ज्ञ | - | | | |
| (घ) | श्र | - | | | |

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

- | | | | | | |
|-------------|---|-------|-------------|---|-------|
| (क) प्राचीन | - | | (ख) गुणवान | - | |
| (ग) शुभ | - | | (घ) उदास | - | |
| (ङ) गुरु | - | | (च) निर्धन | - | |
| (छ) मान | - | | (ज) स्वीकार | - | |

* वे शब्दांश जो शब्दों के आरंभ में जुड़कर उनके अर्थ में परिवर्तन लाते हैं, उपसर्ग कहलाते हैं; जैसे-

अ + समर्थ = असमर्थ अ + शुभ = अशुभ

3. निम्नलिखित उपसर्गों को जोड़कर नए शब्द बनाइए-

- | | | | | | |
|----------------|---|-------|--------------|---|-------|
| (क) अ + ज्ञान | - | | (ख) आ + जन्म | - | |
| (ग) ला + परवाह | - | | (घ) वि + शेष | - | |
| (ङ) प्र + कृति | - | | (च) उप + चार | - | |
| (छ) उप + हार | - | | (ज) अ + समय | - | |

4. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए-

(क) छात्र -
 (ग) वस्तु -
 (ङ) स्त्री -

(ख) पुस्तक -
 (घ) ऋतु -
 (च) सीढ़ी -

* वर्णमाला में व्यंजन के प्रत्येक वर्ग का पाँचवाँ वर्ण **पंचम वर्ण** कहलाता है। नीचे देखिए और समझिए-

वर्ग						पंचम वर्ण
क वर्ग	क	ख	ग	घ	ङ	(ङ)
च वर्ग	च	छ	ज	झ	ञ	(ञ)
ट वर्ग	ट	ठ	ड	ढ	ण	(ण)
त वर्ग	त	थ	द	ध	न	(न)
प वर्ग	प	फ	ब	भ	म	(म)

आजकल पंचम वर्ण को अनुस्वार (ँ) के रूप में लिखने का प्रचलन है। पंचम वर्ण जब अपने ही वर्ग के किसी अन्य वर्ण के साथ जुड़ा होता है तब यह अपने से पहले आनेवाले वर्ण के ऊपर अनुस्वार (ँ) के रूप में प्रयुक्त होता है; जैसे- पङ्खा-पंखा, व्यञ्जन-व्यंजन, चण्डी-चंडी, जन्तु-जंतु सम्वाद-संवाद किसी शब्द में जिस वर्ग का पंचम वर्ण होता है, उस शब्द में अनुस्वार को उसी वर्ग के पंचम वर्ण के रूप में लगाया जाता है; जैसे- कंगन-कङ्गन, चंचल-चञ्चल, घंटा-घण्टा, बंधन-बन्धन, अंबर-अम्बर

5. निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त अनुस्वार को पंचम वर्ण में बदलते हुए शब्दों को पुनः लिखिए-

(क) गंगा -
 (ग) पंचायत -
 (ङ) संभव -

(ख) मंच -
 (घ) डंडा -
 (च) बंदर -

* स्वरों का उच्चारण करते समय जब हवा नाक और मुख दोनों से निकलती है तो स्वर नासिक्य या अनुनासिक कहलाते हैं। इन्हें लिखने के लिए चंद्रबिंदु (ँ) का प्रयोग किया जाता है। यदि शिरोरेखा के ऊपर मात्रा हो तो चंद्रबिंदु के स्थान पर केवल बिंदु का प्रयोग किया जाता है; जैसे- मैं-में, बच्चों-बच्चों, घरों-घरों

6. पाठ से अनुनासिक ध्वनिवाले शब्द छाँटकर लिखिए-

.....

* संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होनेवाले शब्द **सर्वनाम** कहलाते हैं। सर्वनाम के छह भेद होते हैं-

1. पुरुषवाचक सर्वनाम
2. निश्चयवाचक सर्वनाम
3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम
4. प्रश्नवाचक सर्वनाम
5. संबंधवाचक सर्वनाम
6. निजवाचक सर्वनाम

7. निम्नलिखित गद्यांश में रेखांकित शब्दों के स्थान पर सर्वनामों का प्रयोग कर गद्यांश को पुनः लिखिए-

गुरु जी गुरु जी के आश्रम में शिष्यों के साथ बैठे थे। गुरु जी शिष्यों को अस्त्र-शस्त्र संबंधी जानकारी दे रहे थे। सभी शिष्य ध्यानपूर्वक गुरु जी की बातें सुन रहे थे। गुरु जी गुरु जी के शिष्यों को ध्यानमग्न देख अतीव प्रसन्न थे। तभी गुरु जी ने देखा एक शिष्य का ध्यान दूर कहीं लगा है। गुरु जी ने शिष्य से पूछा तुम वहाँ क्या देख रहे हो? शिष्य ने बताया, वहाँ एक छोटा हिरण है जो ठीक से चल नहीं पा रहा है।



बारी अब कबले की

सूची बनाइए

- * इस पाठ में सदाचरण/सदाचारी को सच्चा धन कहा गया है। आपके अनुसार और कौन-कौनसी बातें मनुष्य के जीवन का सच्चा धन होती हैं? एक सूची (List) बनाइए।

तालिका बनाइए

- * प्रत्येक व्यक्ति में अच्छी-बुरी आदतें होती हैं; जैसे- ईमानदारी, साहस, आलस्य, लापरवाही आदि। अपने चार-पाँच मित्रों की अच्छी-बुरी आदतों की तालिका (Table) बनाइए-

क्रम सं०	मित्र का नाम	अच्छी आदतें	बुरी आदतें
1.			
2.			
3.			
4.			

अनुच्छेद लिखिए

- * प्राचीन समय में विद्यार्थी गुरु के पास रहकर गुरुकुल में शिक्षा प्राप्त करते थे। गुरुकुल का वातावरण कैसा होता था। वहाँ की शिक्षा में क्या-क्या बातें सम्मिलित होती थीं? पता लगाकर एक अनुच्छेद (Paragraph) में लिखिए।

अनुभव सुनाइए

- * क्या आपने भी माता-पिता से छिपकर कोई काम किया है, जिसका उन्हें बाद में पता चल गया हो। अपने अनुभव (Experience) कक्षा में बताइए।